ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 31 जुलाई 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 114

मालेगांव ब्लास्ट- साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सातों आरोपी बरी:कोर्ट बोला- बाइक प्रज्ञा की और कर्नल RDX लाए यह दोनों बातें साबित नहीं हुईं

24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में NIA स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस में 7 मुख्य आरोपी थे। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। पीड़ितों के वकील शाहिद नवीन अंसारी ने कहा- हम एनआईए कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है।

मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। करीब 17 साल बाद आए फैसले में जज एके लाहोटी ने कहा कि जांच एजेंसी आरोप साबित नहीं कर पाई है, ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

जज लाहोटी ने कहा कि धमाका हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं हुआ कि बम मोटरसाइकिल में रखा था। यह भी साबित नहीं हुआ कि मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। यह भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया।

इस केस का फैसला 8 मई 2025 को वाला था, लेकिन फिर कोर्ट ने इसे 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र ATS ने की थी। 2011 में केस NIA को सौंप दिया गया था। NIA ने 2016 में चार्जशीट दाखिल की थी। केस में 3 जांच एजेंसियां और 4 जज बदल चुके हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों न निर्दोषों को फंसाया

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपने X अकाउंट पर कहा- "सत्यमेव जयते"... बीते 17 वर्षों की पीड़ा, सामाजिक बहिष्कार और राजनीतिक प्रहारों के बाद आज मालेगांव ब्लास्ट केस में सभी 7 आरोपियों को माननीय न्यायालय द्वारा दोषमुक्त करने का निर्णय अभिनंदनीय है। वोटबैंक के लालच और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने न सिर्फ निर्दोषों को फंसाया, बल्कि पूरे हिंदू समाज की छवि को धूमिल करने का संगठित प्रयास भी किया। आज न्यायालय ने उनके इस झूठे नैरेटिव का पर्दाफाश कर दिया है। यह फैसला उन सबके लिए सबक है, जो वोट बैंक की राजनीति के लिए "भगवा आतंक" जैसे आपत्तिजनक शब्दों को गढ़ते हैं।

सीएम ने कहा- ये कांग्रेस की संकुचित मानसिकता पर करारा प्रहार है

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने X अकाउंट पर लिखा– सत्यमेव जयते मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना कांग्रेस की संकुचित मानसिकता पर करारा प्रहार है। हिंदू आतंकवाद जैसे नैरेटिव गढ़ने वाली कांग्रेस सदैव याद रखे, हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। यह निर्णय सनातन धर्म, साधु-संतों एवं भगवा को अपमानित करने वाले लोगों को कड़ा जवाब है। कांग्रेस को सभी सनातनियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

तेल लेने गया "माई फ्रेंड" : अमेरिका और पाकिस्तान के बीच महत्वपूर्ण ऑयल डील, ट्रम्प बोले-भविष्य में पाकिस्तान भारत को भी तेल बेच सकता है

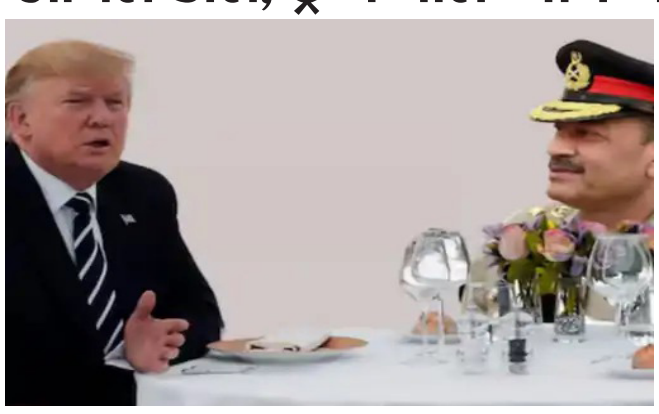

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, इंटरनेशनल। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए बताया कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच एक महत्वपूर्ण ऑयल डील फाइनल हुई है। इस समझौते के तहत अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडारों का विकास करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि इस साझेदारी के लिए एक अमेरिकी तेल कंपनी को चुना जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शायद भविष्य में पाकिस्तान भारत को भी तेल बेच सकता है। यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब ट्रम्प ने कुछ ही घंटे पहले भारत पर 1 अगस्त से 25 टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत रूस से सैन्य सामान और ऊर्जा खरीद रहा है, जिसके कारण उसे अतिरिक्त पेनाल्टी दी जाएगी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक है, इसलिए भारतीय वस्तुओं पर यह टैरिफ लगाया जा रहा है। इस पर भारत सरकार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह इस निर्णय के असर को समझ रही है और देश के हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

गौरतलब है कि पाकिस्तान को यह ऑयल डील ऐसे समय में मिली है जब पिछले साल सितंबर में उसकी समुद्री सीमा में एक बड़ा तेल और गैस भंडार मिला था। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भंडार दुनिया के चौथे सबसे बड़े तेल और गैस भंडारों में से एक हो सकता है। इस खोज में तीन साल तक एक सहयोगी देश के साथ मिलकर सर्वेक्षण किया गया, जिसके बाद भंडार की पुष्टि हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस भंडार को विकसित करने में लगभग 42,000 करोड़ रुपये का खर्च आ सकता है और इससे तेल व गैस निकालने में 4-5 साल का समय लग सकता है। अगर यह प्रक्रिया सफल रही, तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस खोज को देश की 'ब्लू वॉटर इकोनॉमी' यानी समुद्री संसाधनों के जरिए आर्थिक विकास के लिए एक बड़ा अवसर बताया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित भी किया है। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनने पर ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ संवाद कर तनाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पाकिस्तान सरकार के अनुसार, इससे दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच संभावित युद्ध को टालने में मदद मिली। ट्रम्प ने हाल ही में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात को भी सामरिक सहयोग और ऊर्जा समझौते की दिशा में एक कदम माना जा रहा है।

राहुल बोले-ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकी:इसे मोदी ने मारा, ये बात PM और वित्त मंत्री को छोड़कर सबको पता है

24 न्यूज अपडेट

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है।

राहुल ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।

राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं।

दरअसल बुधवार को अमेरिकी ने भारत पर 25% टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

राहुल गांधी ने अपने X पर पोस्ट किया- भारत की इकोनॉमी मर चुकी है। इसे मोदी ने मार दिया।

1. मोदी-अडाणी की पार्टनरशिप
2. नोटबंदी और खामियों वाला GST
3. 'असेंबल इन इंडिया' फेल रहा (राहुल मेक इन इंडिया को असेंबल इन इंडिया कहते हैं)
4. MSMEs यानी छोटे-मध्यम उद्योग खत्म हो गए
5. किसानों को दबा दिया गया

मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य खत्म कर दिया, क्योंकि नौकरियां नहीं हैं।

राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर क्वारी लाइसेंसधारी व पट्टाधारकों को 30 सितंबर तक अवधि बढ़ाने के आवेदन की दी छूट - करीब 2500 क्वारी लाइसेंसधारी व पट्टाधारियों को मिलेगी राहत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 जुलाई। अप्रधान खनिज क्वारी लाइसेंस धारक व खनन पट्टाधारी अब 30 सितंबर, 25 तक लाइसेंस व पट्टाअवधि बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव श्री टी. रविकान्त ने बताया कि किसी कारण से अवधि बढ़ाने के लिए 31 मार्च, 25 तक आवेदन नहीं कर सकने वाले क्वारी लाइसेंसधारी व खनन पट्टाधारियों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने यह निर्णय किया है। खान विभाग द्वारा इस आशय की 31 जलाई को अधिसूचना जारी कर दी है।

श्री रविकान्त ने बताया कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से प्रभावित खानधारकों व जनप्रतिनिधियों ने मिलकर अवधि बढ़ाकर अवसर प्रदान करने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने खनन क्षेत्र से जुड़े इन छोटे प्रतिभागियों को बड़ी राहत प्रदान की है। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में करीब 2500 क्वारी लाइसेंसधारी व खान पट्टाधारी लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही छोटे खान धारकों के साथ ही हजारों लोगों को रोजगार व खनन गतिविधियां निर्बाध जारी रह सकेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ खनन क्षेत्र से जुड़े छोटे व स्थानीय क्वारी लाइसेंसधारकों को होगा। इनमें सबसे अधिक 2000 हजार क्वारी लाइसेंसधारक इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। अधिकांश क्वारी लाइसेंस एक हैक्टेयर से कम क्षेत्रफल के हैं। श्री रविकान्त ने बताया कि इस तरह के खनन पट्टों व क्वारी लाइसेंसधारियों में सेंड स्टोन, मार्बल, लाइमस्टान फर्सी, पट्टी कातला आदि खनिजों के पट्टाधारक है। इसमें सर्वाधिक जोधुपर और बालेसर के करीब 1500 क्वारी लाइसेंसधारी होंगे। इसके साथ ही भीलवाड़ा, बिजौलिया, सोजत, मकराना, चित्तोड़गढ़, निम्बाहेडा, राजसमन्द आदि क्षेत्रों के क्वारी लाइसेंस व खनन पट्टाधारी है।

ऑस्ट्रेलिया में यूट्यूब अकाउंट के लिए 16 साल उम्र जरूरी:10 दिसंबर से लागू होगा नियम; पिछले साल सोशल मीडिया इस्तेमाल पर कानून बना था

24 न्यूज अपडेट

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चे 10 दिसंबर से यूट्यूब पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। हालांकि, ये यूट्यूब का इस्तेमाल कर सकेंगे यानी यूट्यूब पर वीडियो देख सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया के संचार मंत्री अनीका वेल्स ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने का बिल संसद से पास किया था। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैप चैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स शामिल थे। तब यूट्यूब को इस कानून से छूट दी गई थी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश है।

इस कानून में माता-पिता की सहमति या पहले से मौजूद खातों के लिए कोई छूट नहीं दी गई है। प्लेटफॉर्म के पास प्रतिबंध को लागू करने के तरीके पर काम करने के लिए कानून बनने के बाद से एक साल का वक्त है।

गेमिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर बैन नहीं

यह जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की होगी कि इस उम्र के बच्चे प्लेटफॉर्म पर अकाउंट न बना पाएं। ऐसा न करने पर प्लेटफॉर्म्स पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी करीब 282.34 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। हालांकि, प्लेटफॉर्म यूजर्स को अपनी उम्र साबित करने के लिए पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज अपलोड नहीं करने होंगे। ऑनलाइन गेमिंग, मैसेजिंग, एजुकेशन और हेल्थ ऐप्स को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। इन्हें बच्चों के लिए कम हानिकारक माना गया है।

चांदी 3,450 गिरकर 1.11 लाख किलो पर आई:सोने का दाम 483 कम होकर 98,534 प्रति 10 ग्राम हुआ

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 31 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 483 रुपए गिरकर 98,534 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोने का भाव 99,017 रुपए पर था।

वहीं चांदी की कीमत 3,450 रुपए कम होकर 1,09,950 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,400 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

बाजार पर ट्रम्प के टैरिफ का असर नहीं दिखा:उतार-चढ़ाव रहा, सेंसेक्स 296 अंक नीचे 81,186 पर बंद; मेटल और ऑयल एंड गैस शेयर्स फिसले

24 न्यूज अपडेट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से भारत पर 25% टैरिफ के ऐलान का असर भारतीय शेयर बाजार पर नहीं दिखा। गुरुवार (31 जुलाई) को सेंसेक्स 296 अंक गिरकर 81,186 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 87 अंक की गिरावट रही, ये 24,768 पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान बाजार में आज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में यह करीब 700 अंक गिरा, फिर 1000 अंक की रिकवरी हुई।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 7 में तेजी और 23 में गिरावट रही। NSE के मेटल, फार्मा और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में गिरावट रही। FMCG 1.44% ऊपर बंद हुआ।

संपादकीय : आतंक का चेहरा

अमेरिका की ओर से 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक ताजा रपट ने इस तथ्य की सत्यता के आधार को और मजबूत कर दिया है। सुरक्षा परिषद की किसी रपट में पहली बार टीआरएफ का जिक्र किया गया है और साथ ही इस बात को भी माना है कि यह आतंकी संगठन लश्कर-ए- तैयबा का ही एक मुखौटा है। इससे न केवल आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक स्तर पर भारत के प्रयासों को बल मिला है, बल्कि पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाला आतंकी संगठन टीआरएफ ही था और उसने बाकायदा इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। हालांकि, भारत - पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद उसने किसी खास रणनीति के तहत अपना बयान वापस ले लिया था। सुरक्षा परिषद के इस कदम को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत ने टीआरफ के नापाक मंसूबों को दुनिया के सामने उजागर किया था और अब सुरक्षा परिषद ने भी इस आतंकी संगठन को चिह्नित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले के बाद एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के लिए जिम्मेदार अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, पाकिस्तान के दखल के कारण उस बयान में टीआरएफ का जिक्र नहीं किया गया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तब अपनी संसद में खुद यह दावा किया था कि उन्होंने सुरक्षा परिषद के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। दरअसल, पाकिस्तान की पहले से यह रणनीति रही है कि उसकी धरती पर फैल रहे आतंक के वृक्ष को वैश्विक स्तर पर चिह्नित नहीं होने दिया जाए। अब सुरक्षा परिषद की इस रपट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के दावों को किस नजरिए से देखती है। रपट में एक देश के उन दावों को भी खारिज कर दिया गया है कि लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। माना जा रहा है कि वह देश संभवतः पाकिस्तान ही है, क्योंकि यह बात छिपी नहीं है कि लश्कर-ए-तैयबा उसकी धरती पर ही फल-फूल रहा है। रपट में साफ कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ तथा लश्कर-ए-तैयबा के बीच गहरे संबंध हैं। इस सब के बीच सवाल यह भी है कि क्या किसी आतंकी संगठन को वैश्विक स्तर पर चिह्नित कर देने से आतंकवाद पर अंकुश लग जाएगा ? जाहिर है, इसके लिए संयुक्त प्रयासों को धरातल पर उतरना होगा और आतंकियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसमें दोराय नहीं कि आतंकवाद अब वैश्विक संकट बन चुका है और इससे निपटने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार करना जरूरी है। यह तभी संभव होगा, जब आतंकियों के साथ-साथ उनके वित्तपोषकों और प्रायोजकों को भी न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

खतरे में बाघ

देश भर के जंगलों में जिस तरह से अतिक्रमण और खनन के साथ मानवीय हस्तक्षेप बढ़ा है, उससे वाघों का सुरक्षित पर्यावास खतरे में है। वनों की लगातार कटाई ने उनके लिए आहर की चुनौतियां भी बढ़ा दी हैं। जंगलों के भीतर सड़कों के निर्माण और कोलाहल बढ़ने से प्राकृतिक माहौल का संतुलन बिगड़ा है। नतीजा यह कि अब बाघ जंगलों से बाहर निकल रहे हैं। भोजन-पानी की तलाश में भटकते ये वन्य जीव मनुष्यों के लिए तो खतरा बने ही हैं, साथ ही उनके जीवन पर भी संकट बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मनुष्यों और वन्य जीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं में इजाफा हुआ है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी रपट भी इस ओर इशारा करती है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2025 के दौरान देश भर में 667 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 341 बाघों की मौत अभयारण्यों से बाहर हुई है। इस रपट ने अभयारण्यों की देखरेख में बरती जा रही लापरवाही को भी उजागर किया है। सवाल है कि अभयारण्यों में आवाजाही के लिए बने गलियारों से बाघ और तेंदुए गांवों एवं शहरों तक कैसे पहुंच जाते हैं ? क्या उनके लिए जंगल छोटे पड़ रहे हैं। क्या बाघों की निगरानी के लिए अब तक मजबूत तंत्र नहीं बन पाया है ? अगर कहीं बाड़बंदी नहीं है। और बाघ निर्धारित दायरे से बाहर निकलते हैं, तो समय रहते ऐसी घटनाओं का पता क्यों नहीं लगाया जाता। ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के बावजूद बाघों की नियमित निगरानी क्यों संभव नहीं हो पा रही है। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या जंगलों में बाघों के लिए भोजन का अभाव है ? मध्य प्रदेश में दो दशकों में जिस तरह वनों की कटाई हुई है, उसका परिणाम सामने हैं। यहां चार वर्ष के भीतर अभयारण्यों से बाहर निकले नब्बे बाघों की मौत कोई साधारण घटना नहीं है। शासन व प्रशासन को बाघों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। यह सब आधी-अधूरी योजनाओं से नहीं, बल्कि नवोन्मेषी उपायों से ही संभव हो पाएगा।

नैनी और भगवत जैसे दोषियों को फांसी की सज़ा दिलवा दो परमात्मा!!! ..श्वेता के पिता की रूला देने वाली अपील,,, "मेरी बेटी की आखिरी ख्वाहिश पूरी कर दो प्रभु..."

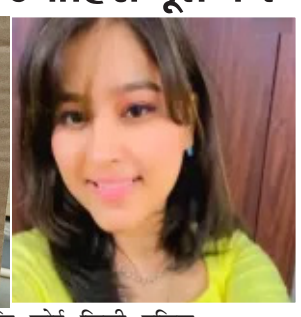

24 न्यूज अपडेट

क्या सिस्टम की संवेदनाएं मर चुकी हैं? क्या आंखों में शर्म का पानी तक नहीं बचा है? क्या पैसों के दम पर दुनिया की हर चीज हासिल की जा सकती है? क्या दुनिया में न्याय नाम की चीज अब केवल किताबों में ही रह गई है? क्या अब तत्काल न्याय की उम्मीद करना और न्याय होते हुए देखने की ख्वाहिश रखना तक बेमानी हो गया है? क्या बिक चुके सिस्टम के आगे इंसानत सरे बाजार नीलाम हो चुकी है? क्या केवल पैसे के चंद टुकड़ों के आगे छोटी-छोटी बातों पर गुर्राने वालों की जुबानें लकवा मार गईं हैं? आज यह सवाल पूरे जम्मू कश्मीर में गूज रहा है क्योंकि जम्मू की बेटी श्वेतासिंह को अब तक न्याय दिलाने की कहीं से कोई पहल नहीं की गई है। उदयपुर के पेसिफिक डेंटल कॉलेज भीलों का बेदला की बीडीएस फोर्थ इयर की छात्रा डाक्टर श्वेता की आत्महत्या के बाद से बवाल मचा हुआ है। श्वेता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले इतने दिन बाद भी खुले घूम रहे हैं। उस पर पुलिस और प्रशासन की सुस्ती व कॉलेज प्रशासन की मिलीभगत की खबरें व आरोप श्वेता के परिवार को अंदर तक तोड़ रहे हैं। आसूओं के सैलाब के बीच आक्रोश की लहर है। श्वेता के घर पर शोक जताने आने वाले हर शख्स का यही कहना है कि चाहे जो हो जाए, न्याय तो मिलना ही चाहिए। फिर क्या फर्क पड़ता है कि कोई किसी पुलिस अफसर का रिश्तेदार है या फिर कोई किसी नेता को चुनावी चंदा देकर उसे खरीदने की ताकत रखता है। इससे कोई फर्क पड़ता है अगर कोई पूरे सिस्टम को ही अपनी मुट्ठी में रखने का दवा करता है। क्योंकि न्याय की दहलीज पर सब एक बराबर हैं। श्वेता को न्याय की लड़ाई हर हाल में लड़ी जाएगी। घर पर श्वेता की मां, बहन और रिश्तेदारों की रूलाई रूक नहीं रही है। नाजों से पली बेटी ने कॉलेज की प्रताड़ना से तंग आकर मौत को गले लगा लिया और आरोपी आज भी सलाखों के पीछे नहीं भेजे गए हैं, इसका उन्हें बुहत गहरा मलाल है। इधर, श्वेता के पिता बलवंतसिंहजी ने एक फेसबुक पोस्ट लिखकर अपने उद्गार व्यक्त किए हैं। जिनको पढ़कर हर संवेदनशील व्यक्ति की आंख भर आएगी। पत्थर भी पिघल जाएगा। श्वेता के पिता ने परमात्मा से गुहार लगाई है कि अब इस दुनिया से उन्हें कोई उम्मीद नहीं, सिर्फ ईश्वर ही उनकी बेटी को न्याय दिला सकते हैं। उन्होंने लिखाः

"आओ ईश्वर, आओ ब्रह्मांड के मालिक, आओ प्रकृति, आओ धरती मां, आओ पवन देवता... इस पूरे ब्रह्मांड में आप ही हमारे अपने हो, बाकी यहां हमारा कोई नहीं। आपने देखा है हमारी बेटी के साथ क्या हुआ। आप सब जानते हैं। आप ही हैं जो हमारी बेटी को न्याय दिला सकते हैं। इस पूरी दुनिया में और कोई नहीं जो न्याय दिला सके। इसलिए हम आपके पास फ़रियाद करते हैं कि हमारी बेटी को आप ही न्याय दिलाइए।" "हमें सिर्फ आप पर भरोसा है, किसी और पर नहीं। यहां पूरी दुनिया पैसों के पीछे भाग रही है। हमारी बेटी ने मरने से पहले एक पत्र में न्याय की गुहार लगाई थी। उसकी आखिरी ख्वाहिश को आप ही पूरी कीजिए। नैनी और भगवत जैसे दोषियों को फांसी की सज़ा दिलवाइए, हे परमात्मा... यही उसकी अंतिम इच्छा थी, यही हमारी भी अब अंतिम पुकार है।"

आपको बता दें कि श्वेता ने अपने अंतिम पत्र में पेसिफिक विश्वविद्यालय प्रशासन पर कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। उसने लिखा कि पेसिफिक डेंटल कॉलेज में पैसे लेकर उपस्थिति पूरी की जाती है। जो छात्र पैसे नहीं दे पाते, उनकी डिग्री वर्षों तक लटका दी जाती है। परीक्षा में बैठने की अनुमति भी पैसे से जुड़ी होती है। वह मानसिक रूप से टूट चुकी है और अब उसे जीने की कोई वजह नहीं बची। श्वेता के पिता की यह मार्मिक अपील न सिर्फ एक टूटे हुए पिता की आवाज़ है, बल्कि वह तमाचा है उस शैक्षणिक व्यवस्था पर जो शिक्षा को भी व्यापार बना चुकी है। अब सवाल यह है कि क्या इस मामले में निष्पक्ष जांच नहीं होनी चाहिए? क्या दोषियों को तत्काल सज़ा नहीं मिलनी चाहिए? क्या किसी और श्वेता को मरने से रोका जा सकेगा? श्वेता के पिता ने ट्वंटी फोर न्यूज अपडेट से बहुत ही भारी मन से कहा कि उम्मीदें अब मुझे परम पिता परमेश्वर से है। उसके दरबार में सबके साथ न्याय जरूर होता है।

सायफन चौराहा में सात दिवसीय भागवत कथा अमृत महोत्सव 2 अगस्त से

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 जुलाई। बेदला रोड, शुभ सुंदर टावर, साइफन चौराहा, पेट्रोल पम्प के पास में "भागवत कथा अमृत महोत्सव" का आयोजन 2 अगस्त शनिवार से प्रारंभ होने जा रहा है । कथा का वाचन पुष्कर दास महाराज करेंगे। यह आयोजन समस्त कॉलोनी वासियों द्वारा किया जा रहा है। कथा की सभी तैयारियां संपूर्ण हो चुकी है। गौरी शंकर अग्रवाल ने बताया यह भागवत कथा एक संस्कार भागवत के नाम से विलक्षण कथा होने जा रही है। कलश यात्रा 2 अगस्त को प्रातः 10 बजे गणेश मंदिर महावीर कॉलोनी से प्रारंभ होकर शुभ सुंदर टावर तक आएगी। कलश यात्रा में 51 महिलाएं एक जैसे वस्त्र में कलश लेकर यात्रा में सम्मिलित होगी। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक रहेगा।

नर्सिंग अधीक्षक गीता आहारी व सिनियर नर्सिंग आंफिसर अनीता वाजपेई का स्वागत

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन उदयपुर शहर के जिला अध्यक्ष पवन दानाध्यक्ष व प्रवीण चरपोटा के नेतृत्व में उत्कृष्ट नर्सिंग सेवाओं एवं व्यवहार के लिए नर्सिंग अधीक्षक गीता आहारी एवं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर अनीता वाजपेई का साफा व माला पहनकर,शोल ओढ़ाकर , पुष्पगुच्छ, प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नूरानी मेयडा, शारदा गरासिया व हरिलता गंधर्व थी। विशिष्ट अतिथि कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत आमेटा , संरक्षक रमेश मीणा, सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया थे। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष परमार ने किया। सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि हाल में एमबी अस्पताल में 40, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में 5 व पन्नाधाय महिला चिकित्सालय में 11 नर्सिंग ऑफिसर से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पदोन्नति हुई ,को एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा उपरणा ओढ़ाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पदोन्नत सत्यवीर सिंह तंवर ,अल्पेश परमार,दीपक मेघवाल, ज्योत्सना आमेटा,हिना कौसर,दीप्ति गौड,लोकेश यादव,राजकुमारी ठुमका, जितेन्द्र शर्मा, ममता सेन, भेरूलाल जीनगर,सुनीता खंडेलवाल, राजकुमारी सोनी, ज्योत्स्ना आमेटा,सु मैथ्यू,जोबी थॉमस सहित 56 सीनियर नर्सिंग ऑफिसर का स्वागत है अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में नारायण सिंह राठौर, पंकज जैन, लक्ष्मी लाल सालवी, गुलाब सेन, अरुणा कुमावत, शकीला अंसारी, सुनीता सिंह, रेखा चौहान, मंजू वैष्णव, तारा राजपूत, अर्चना भाटी, राजेंद्र जोशी, हरिश चौबीसा, राजेश चौधरी, मुकेश मेघवाल, प्रवीण सुथार सहित करीब 300 नर्सेज उपस्थित थे।

सरेरा पंचायत के बम्बाला प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर, बच्चों की जान जोखिम में

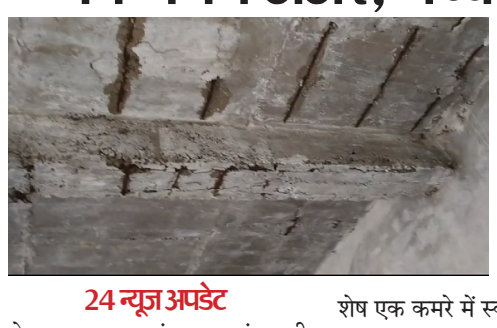

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा । उपखंड नयागांव की सरेरा ग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय बम्बाला का भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। विद्यालय भवन में कुल तीन कमरे और एक बरामदा मौजूद है, लेकिन उनमें से एक कमरा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। उसकी छत का प्लास्टर झड़ चुका है और दीवारों में गहरी दरारें पड़ गई हैं। शेष एक कमरे में स्कूल का कार्यालय संचालित किया जा रहा है जबकि अन्य एक कमरे और बरामदे में कक्षा 1 से 5 तक की पढ़ाई कराई जा रही है। विद्यालय में वर्तमान में 46 छोटे-छोटे बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें सिर्फ दो शिक्षक पढ़ा रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि बरसात के मौसम में जर्जर छत के नीचे शिक्षण कार्य किया जा रहा है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। शिक्षक बच्चों को भय के माहौल में पढ़ाने को विवश हैं। ग्राम पंचायत की प्रशासक दुर्गा भगोरा ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं विकास अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के लिए शीघ्रातिशीघ्र नया भवन स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से आग्रह किया है कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भवन की मरम्मत या पुनर्निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उदयपुर में चलती कार में अचानक लगी आग :चार यात्रियों ने कूदकर बचाई जान; सांवरियाजी से बालोतरा जा रहे थे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे पर डबोक के पास हरिप्रिया पेट्रोल पंप के निकट एक बोलेरो में अचानक आग लग गई। गाड़ी में सवार चार लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग के कारण गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई।

डबोक थानाधिकारी हुक्म सिंह ने बताया कि बोलेरो बालोतरा निवासी पारसमल पुत्र मिश्राराम प्रजापत की है। सभी यात्री सांवरियाजी से बालोतरा जा रहे थे। घटना के दौरान हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ, इस दौरान हाईवे पर ट्रैफिक रोक दिया गया और सर्विस रोड से वाहनों को आगे बढ़ाया।

कन्या महाविद्यालय खेरवाड़ा में रिक्त पदों को लेकर छात्राओं का उग्र प्रदर्शन, प्राचार्य का घेराव और स्टाफ को किया बंद

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा। राजकीय कन्या महाविद्यालय खेरवाड़ा में लंबे समय से रिक्त पदों को भरे जाने की मांग को लेकर छात्राओं ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कॉलेज के मुख्य द्वार पर ताला जड़ते हुए प्राचार्य का घेराव किया और समस्त स्टाफ को महाविद्यालय भवन में बंद कर दिया। प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने "पास किया तो प्रवेश दो", "डेपुटेशन निरस्त करो", जैसे नारे लगाते हुए दो घंटे तक कॉलेज परिसर को घेरे रखा। उनका कहना था कि विज्ञान संकाय में एक अतिरिक्त वर्ग खोला जाए ताकि सभी योग्य छात्राओं को प्रवेश मिल सके। छात्राओं ने जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, उदयपुर सांसद और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक शास्त्र, गणित, गृह विज्ञान एवं संगीत जैसे विषयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की। इसके साथ ही छात्राओं ने महाविद्यालय में हिंदी साहित्य, राजनीति विज्ञान और वनस्पति शास्त्र के तीन प्रोफेसरों के डेपुटेशन को तत्काल निरस्त करने की भी मांग की।

फ्री पोहे के नाश्ते को लेकर हुआ विवाद, पोहा सेंटर संचालक पर चाकू से हमला!

24 न्यूज अपडेट

सुखेर थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फेल गई जब अम्बेरी पुलिया के नीचे स्थित न्यू इंदौर पोहा सेंटर पर फ्री में नाश्ता करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि अम्बेरी क्षेत्र के युवकों ने सेंटर संचालक नारायण गुर्जर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घायल नारायण गुर्जर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

छात्राओं ने पहाड़ी पर फेंके सीड बॉल्स, हरियाली लौटाने का लिया संकल्प

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत विकास परिषद 'सुभाष' और मॉडल पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल, ढीकली की छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए पहाड़ी को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। छात्राओं ने विद्यालय के पास स्थित पहाड़ी पर चढ़कर सीड बॉल्स (बीज गोले) बिखेरे और खड्डों में डाले, ताकि आगामी वर्षा में बीजों का अंकुरण हो सके और क्षेत्र की हरियाली पुनः लौटे। इस अभियान का नेतृत्व विद्यालय के अध्यापक श्री जिग्नेश उपाध्याय ने किया, जिनके निर्देशन में छात्राओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया। यह पहल भारत विकास परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाई जा रही मुहिम का एक भाग है। परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी इस अभियान में भागीदारी निभाई। डॉ. पी.सी. जैन (प्रांतीय जल संरक्षण प्रभारी), आर.एल. जैन (अध्यक्ष), शोभा लाल दशोरा (सचिव), डॉ. मंजू जैन (उपाध्यक्ष), करण मल जारोली (पर्यावरण प्रभारी), और राकेश नंदावत (जिला संयोजक) ने स्वयं पहाड़ी पर जाकर सीड बॉल्स फेंके और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। परिषद सचिव शोभा लाल दशोरा ने बताया कि वर्षा ऋतु में जब ये बीज अंकुरित होंगे, तो यह पहाड़ी पुनः हरी-भरी हो जाएगी और स्थानीय जैव विविधता को भी नया जीवन मिलेगा।

ऑनलाइन गेम में दो लाख रुपए हारे पोते ने की दादी की हत्या, गेम खेलने से मना करने पर तौलिए से घोंटा गला, नकदी व गहने भी चुराए; श्रीगंगानगर में सनसनीखेज वारदात

24 न्यूज अपडेट

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में 86 वर्षीय वृद्धा की हत्या के मामले का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा करते हुए उसके 24 वर्षीय पोते को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मनीष चुघ ने स्वीकार किया कि वह पिछले एक साल से ऑनलाइन एविएटर गेम खेल रहा था और करीब 2 लाख रुपए हार चुका था। कर्ज चुकाने और गेम की लत के चलते वह मानसिक तनाव में था। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि आरोपी मनीष ने 24 जुलाई को पुरानी आबादी थाना क्षेत्र में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने अपनी दादी द्रोपदी देवी की हत्या और घर से नकदी-गहनों की लूट का आरोप अज्ञात व्यक्तियों पर लगाया था। जांच के दौरान एफएसएल, डॉग स्क्वॉड और तकनीकी टीमों की सहायता से जुटाए गए सबूतों और मुखबिरों की सूचना पर मनीष को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। मनीष ने बताया कि घटना वाले दिन वह 15 हजार रुपए ऑनलाइन गेम में हार गया था। जब दादी ने उसे गेम खेलने पर डांटा तो गुस्से और अवसाद में आकर उसने तौलिए से उनका गला घोंट दिया। हत्या के बाद उसने घर का सामान बिखेरकर इसे लूट का रूप देने की कोशिश की। इसके बाद वह सोने के गहने, कान की बालियां और 18 हजार रुपए नकद लेकर काम पर चला गया था और मकान को बाहर से बंद कर गया। आरोपी मनीष एसी रिपेयरिंग का काम करता है और गेमिंग की लत के चलते उसने रिश्तेदारों व मोबाइल ऐप्स से कर्ज भी ले रखा था। उसकी गिरफ्तारी ने न केवल परिवार को झकझोर कर रख दिया, बल्कि समाज में भी चिंता का माहौल उत्पन्न कर दिया है।

पुलिस की अपील

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने बच्चों और युवाओं के मोबाइल के इस्तेमाल पर नजर रखें, समय-समय पर संवाद करें और यह सुनिश्चित करें कि वे पढ़ाई या मनोरंजन के नाम पर किसी गलत आदत या व्यसन की ओर तो नहीं जा रहे।

सिख प्रतीकों के साथ परीक्षा देने की अनुमतिः राजस्थान सरकार ने बदले एग्जाम सेंटर में एंट्री के नियम, गुरप्रीत कौर प्रकरण के बाद सरकार का फैसला, अब सभी परीक्षाओं में कड़ा, पगड़ी और कृपाण के साथ प्रवेश संभव

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों में धार्मिक प्रतीकों के साथ एंट्री को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में आयोजित होने वाली सभी सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थी कड़ा, पगड़ी और कृपाण पहनकर शामिल हो सकेंगे। गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर सभी संबंधित विभागों, आयोगों, जिला कलेक्टरों और पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया है। यह निर्णय रविवार को हुई एक घटना के बाद लिया गया है, जब पंजाब की गुरप्रीत कौर नामक छात्रा सिख धार्मिक प्रतीकों की वजह से परीक्षा में शामिल नहीं हो सकी। गुरप्रीत जयपुर के पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में आयोजित राजस्थान न्यायिक सेवा (PCS-J) परीक्षा में भाग लेने पहुंची थीं। सुरक्षा जांच के दौरान उनसे कड़ा और कृपाण हटाने को कहा गया, जो उन्होंने धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए अस्वीकार कर दिया। इसके चलते वे परीक्षा से वंचित रह गईं। घटना के बाद सिख संगठनों और राजनेताओं ने नाराजगी जताई। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया। धार्मिक गरिमा का सम्मान करने का निर्देश गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों पर सिख अभ्यर्थियों की धार्मिक भावनाओं और गरिमा का पूर्ण सम्मान किया जाए। सुरक्षा जांच के दौरान भी उनकी मान्यताओं का ध्यान रखा जाए तथा बिना किसी भेदभाव के उन्हें पगड़ी, कड़ा और कृपाण सहित प्रवेश दिया जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा केंद्रों के बाहर भी सभी धर्मों की भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाए। सुखबीर बादल ने सरकार के फैसले का किया स्वागत सरकार के इस फैसले के बाद सुखबीर बादल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मैं राजस्थान सरकार द्वारा सिख विद्यार्थियों को पगड़ी, कड़ा और कृपाण सहित परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति देने के निर्णय का स्वागत करता हूं। यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की दिशा में एक सराहनीय कदम है।" उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए यह भी आग्रह किया कि उन विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का अवसर दिया जाए जो इस नियम के अभाव में परीक्षा में शामिल नहीं हो सके, जैसे कि गुरप्रीत कौर। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि सभी विद्यार्थियों की सुरक्षा जांच निष्पक्ष और समान रूप से हो, जिसमें किसी भी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वग्रह न रखा जाए।

सावन की रिमझिम में भीगा मैत्री मिलन

महिला समाज सोसाइटी का उत्सवः गीत, मेहंदी, प्रश्नोत्तरी और सावन क्वीन का चयन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 जुलाई। महिला समाज सोसाइटी द्वारा सावन का उल्लास 'मैत्री भाव जगत में मेरा' थीम के साथ पूरे उत्साह और सौहार्द से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चंद्रकांता मेहता, शारदा तलेसरा और मीनू कुम्भट ने भावपूर्ण प्रस्तुति से किया। माया कुम्भट ने सभी अतिथियों का स्वागत पारंपरिक गीत "सावणो सुरगो सरसावणो, भादवो भरेड़ो, मन भावनो..." के साथ किया, जिसने शुरू होते ही समां बांध दिया। सावन के इस हर्षोल्लास भरे आयोजन में सभी बहनों ने एक-दूसरे को मेहंदी रचाकर अपनत्व के रंग बिखेरे। "सावन आया झूम के..." जैसे गीतों पर थिरकती बहनों ने रिमझिम फुहारों और कोयल की कूक के बीच झूमते हुए सावन की मस्ती को जीवंत कर दिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में शारदा तलेसरा ने सावन संबंधी प्रश्नों के सही उत्तर देकर 'सावन क्वीन' का ताज जीता, जबकि 'सावन बहार' का खिताब साधना नागर को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मीठे पारंपरिक व्यंजनों का विशेष स्वाद भी रहा। आयोजन में मीनू कुम्भट, स्वाति भार्गव, नीना मेहता, झंकार मोगरा, उषा अग्रवाल, सुषमा गोयल, शकुंतला घोष, निर्मला सहलोत, मीनाक्षी लोढ़ा, सुंदरी, सुशीला मेहता, श्वेता तलेसरा सहित कई महिलाएं मौजूद थीं।

जयपुर में ड्रोन से कृत्रिम बारिश का प्रयोग अब अगस्त में: भारी बारिश की चेतावनी के चलते टला ट्रायल, सभी मंजूरियां मिल चुकीं

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर के रामगढ़ बांध क्षेत्र में देश के पहले ड्रोन आधारित कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) के प्रयोग की शुरुआत अब अगस्त में होगी। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा द्वारा गुरुवार से शुरू किया जाना था यह ऐतिहासिक ट्रायल, लेकिन मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के कारण फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

ताइवान से आए विशेष ड्रोन, वैज्ञानिकों की टीम जयपुर में

इस अभिनव प्रयोग के लिए ताइवान से विशेष रूप से मंगवाए गए ड्रोन दो दिन पहले ही जयपुर पहुंच चुके हैं।

वैज्ञानिकों की एक विशेषज्ञ टीम भी जयपुर में मौजूद है, जो अब नई तारीख का इंतजार कर रही है। अभी तक इस तरह की क्लाउड सीडिंग प्लेन से की जाती रही है, लेकिन ड्रोन के जरिये यह भारत का पहला प्रयोग होगा। सभी विभागों से मिली स्वीकृति, डीजीसीए से भी हरी झंडी

इस ड्रोन प्रोजेक्ट को केंद्र व राज्य सरकार के संबंधित विभागों, मौसम विभाग, जिला प्रशासन और डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) से पहले ही अनुमति मिल चुकी है। यह प्रयोग कृषि विभाग के सहयोग से किया जा रहा है।

एक महीने चलेगा पायलट प्रोजेक्ट, 60 क्लाउड सीडिंग टेस्ट होंगे

अमेरिका और भारत की टेक कंपनी GenX AI इस ट्रायल को कृषि विभाग के साथ मिलकर एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित करेगी। अगस्त से शुरू होने वाले इस परीक्षण में रामगढ़ क्षेत्र में ड्रोन से 60 बार क्लाउड सीडिंग की जाएगी। परीक्षण का संपूर्ण खर्च कंपनी वहन करेगी।

क्या है क्लाउड सीडिंग?

क्लाउड सीडिंग तकनीक में बादलों पर सिल्वर आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड या ड्राई आइस जैसे रसायनों का छिड़काव किया जाता है, जिससे बादलों में पानी की बूंदें बनती हैं और बारिश होती है। अब तक यह कार्य हवाई जहाज या हेलिकॉप्टर से होता था, लेकिन अब ड्रोन से किया जा रहा है जो अधिक सटीक और किफायती है।

सफल रहा ट्रायल तो तालाबों-एनिकटों की भराव क्षमता बढ़ेगी

यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो राजस्थान के सूखाग्रस्त और सीमित क्षेत्र वाले इलाकों में छोटे एनिकट और तालाबों को भरने के लिए ड्रोन आधारित कृत्रिम बारिश तकनीक का प्रयोग किया जा सकेगा। खासकर तब जब मानसूनी बादल मौजूद हों लेकिन वर्षा न हो रही हो। इससे खेतों को सिंचाई और गांवों को पेयजल में राहत मिल सकती है।

विद्युत निगमों में तकनीशियन के 2163 पदों पर भर्तीः पूर्व आवेदकों को 1 से 7 अगस्त तक संशोधन का अवसर, नए आवेदन अगस्त के दूसरे पखवाड़े में

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 जुलाई। राज्य सरकार द्वारा विद्युत निगमों में तकनीशियन-III (आईटीआई) सहित विभिन्न तकनीकी पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अब कुल 2163 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। यह प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित होगी, जिसमें पूर्व में आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को 1 से 7 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन संशोधन का अवसर दिया गया है, जबकि नए अभ्यर्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया अगस्त के दूसरे पखवाड़े में प्रारंभ की जाएगी। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम, जयपुर, अजमेर व जोधपुर विद्युत वितरण निगम में तकनीशियन-III/ ऑपरेटर-III/ प्लांट अटेंडेंट-III (आईटीआई) के कुल 2163 पदों पर भर्ती होनी है। पूर्व में 216 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी थी, जिसे राज्य सरकार द्वारा 1947 नवीन स्वीकृत पदों को सम्मिलित कर संशोधित किया गया है। इस संबंध में संशोधित विज्ञप्ति 17 जुलाई 2025 को जारी की जा चुकी है। पूर्व आवेदकों के लिए संशोधन आवश्यक वे अभ्यर्थी जिन्होंने 20 फरवरी 2025 के विस्तृत विज्ञापन के अनुसार आवेदन कर दिया था और सफलतापूर्वक शुल्क का भुगतान किया था, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। किन्तु, उन्हें 1 से 7 अगस्त 2025 तक अपने पूर्व आवेदन में संशोधन करना अनिवार्य है। इसके तहत अभ्यर्थी को निम्नलिखित जानकारियाँ अपडेट करनी होंगीः

आधार कार्ड विवरण

टीएसपी (अनुसूचित क्षेत्र) की स्थिति

विद्युत निगमों की प्राथमिकता चयन

यदि अभ्यर्थी इन आवश्यक विवरणों को समय पर अपडेट नहीं करते हैं, तो उनका पूर्व आवेदन अमान्य माना जाएगा और बिना किसी सूचना के उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। संशोधन के लिए वेबसाइट लिंक अभ्यर्थी नीचे दी गई किसी भी वेबसाइट पर जाकर संशोधन कर सकते हैं: https://energy.rajasthan.gov.in

https://energy.rajasthan.gov.in/rrvun

https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn

https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl

https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl

नए अभ्यर्थियों के लिए आवेदन अगस्त के द्वितीय पखवाड़े में

भर्ती प्रक्रिया के द्वितीय चरण में वे अभ्यर्थी, जिन्होंने पूर्व में आवेदन नहीं किया था, अगस्त के दूसरे पखवाड़े से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम यथासमय संबंधित वेबसाइटों पर जारी किया जाएगा। रिक्तियों का विस्तृत वितरण इस प्रकार हैः

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम – 150 पद

जयपुर विद्युत वितरण निगम – 603 पद

अजमेर विद्युत वितरण निगम – 498 पद

जोधपुर विद्युत वितरण निगम – 912 पद

महत्वपूर्ण सूचना व सहायता

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर उपरोक्त वेबसाइट्स पर लॉगइन कर भर्ती प्रक्रिया की नवीनतम जानकारी लेते रहें। किसी भी प्रकार की सहायता हेतु कार्यालय समय में हेल्पलाइन डेस्क 9414056655 पर संपर्क किया जा सकता है।

विजयमगरी गांव में CBN की बड़ी कार्रवाईः 14 किलो अफीम, 204 किलो डोडा चूरा और 24 लाख रुपये नकद बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/कोटा। राजस्थान में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने की दिशा में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। उदयपुर जिले की भिंडर तहसील के विजयमगरी गांव में स्थित एक घर पर छापा मारकर 14.260 किलोग्राम अवैध अफीम, 204.570 किलोग्राम डोडा चूरा और 24 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। यह कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त श्री नरेश बुंदेल (कोटा) के निर्देशन में CBN कोटा, चित्तौड़गढ़ डिवीजन प्रथम और तृतीय की संयुक्त टीम ने 30 जुलाई को अंजाम दी। श्री बुंदेल ने जानकारी दी कि उन्हें एक विशेष सूचना मिली थी कि विजयमगरी गांव में एक व्यक्ति अपने आवास पर भारी मात्रा में अवैध अफीम और डोडा चूरा जमा कर रखे हुए है और वह इन्हें अपने ढाबे पर ट्रक चालकों को बेचता है। सूचना की पुष्टि के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए छापा मारा गया, जहां भारी मात्रा में मादक पदार्थ और नकदी बरामद हुई। मौके से बरामद माल को कानूनी प्रक्रिया के तहत NDPS अधिनियम 1985 के अंतर्गत जब्त कर लिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच जारी है।

शिल्पग्राम में 3 अगस्त को नाटक 'अगरबत्ती' का मंचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 जुलाई। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार 3 अगस्त को 'अगरबत्ती' नाटक का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फ़ुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला के अंतर्गत समागम रंगमंडल जबलपुर मध्यप्रदेश द्वारा 'अगरबत्ती' नाटक का मंचन रविवार 3 अगस्त को सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा। इस नाटक के लेखक आशीष पाठक एवं निर्देशक स्वाति दुबे है। यह नाटक वर्ण और लिंग के भेदभाव से जुड़े नारी अत्याचार के सुलगते प्रश्न खड़े करता है और फिर इनका समाधान प्रस्तुत करता है। इस कार्यक्रम में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

संपूर्णता अभियान जिला स्तरीय सम्मान समारोह शुक्रवार को, जिला परिषद सभागार में होगा आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 जुलाई। नीति आयोग के निर्देशानुसार आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान के तहत सम्मान समारोह 1 अगस्त शुक्रवार को सुबह 11 बजे जिला परिषद सभागार उदयपुर में जिला कलक्टर नमित मेहता के आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। मुख्य आयोजना अधिकारी महावीर प्रसाद ने बताया कि संपूर्णता अभियान के तहत 28 जून 2024 से 28 सितम्बर 2024 तक नीति आयोग द्वारा 6 संकेतकां को सेच्यूरेट करने के लक्ष्य प्रदान किए गए थे। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा ब्लॉक में उल्लेखनीय कार्य करने पर गत दिनों जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने खेरवाड़ा को गोल्ड मैडल प्रदान किया था। जिला स्तरीय सम्मान समारोह में शत प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करने में विशेष भूमिका निभाने वाले ब्लॉक स्तरीय अधिकारियां एवं फ्रंटलाईन वर्क्स को सम्मानित किया जाएगा।

फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी रेलखण्ड पर दोहरीकरण कार्य के चलते गोड्डा-दौराई साप्ताहिक रेलसेवा का मार्ग परिवर्तित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/अजमेर, 31 जुलाई। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में सुगम रेल संचालन एवं यातायात दक्षता को बढ़ाने के लिए फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी रेलखण्ड के मध्य दोहरीकरण कार्य जारी है। इस कार्य के तहत अटेली, काठूवास एवं कुण्ड स्टेशनों पर नॉन-इंटरलॉकिंग गतिविधियां की जा रही हैं, जिससे रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस कार्य के चलते गोड्डा-दौराई (अजमेर) साप्ताहिक रेलसेवा को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। परिवर्तित मार्ग से संचालित होने वाली ट्रेनः गाड़ी संख्या 19604, गोड्डा-दौराई (अजमेर) साप्ताहिक रेलसेवा, जो दिनांक 26 अगस्त 2025 को गोड्डा से प्रस्थान करेगी, वह अपने निर्धारित मार्ग रेवाड़ी–रींगस–फुलेरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी–अलवर–जयपुर–फुलेरा होते हुए संचालित की जाएगी। इस परिवर्तित मार्ग पर यह रेलसेवा अलवर, बांदीकुई, गांधीनगर जयपुर एवं जयपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

MLSU : आज तो गजब हो गया.....ज्ञापन हाथ में लेकर गवर्नर साहब वीसी से बोले-मिश्रा! इधर आओ,,,,, बेबी गमेती और किरण तंवर बोलीं, इन्होंने हमें प्रताड़ित किया!!!!

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आज एसएफएबी के कर्मचारियों ने कमाल कर दिया। पुलिस की घेराबंदी, सुबह से कड़ी नजर और पल पल पर पहरे के बावजूद गेस्ट हाउस से रवाना होने से ठीक पहले कर्मचारियों ने राज्यपाल हरिभाउ के हाथ में ज्ञापन देकर अपनी पीड़ा को उन तक पहुंचा ही दिया। सुविवि एसएफएबी कर्मचारी संगठन भामस के अध्यक्ष नारायणलाल सालवी और वीसी के खिलाफ प्रताड़ना का प्रतापनगर थाने में परिवाद दे चुकी महिलाओं बेबी गमेती व किरण तंवर ने राज्यपाल महोदय के सामने खुलकर अपनी बात रखी। आज सुविवि में राज्यपाल के दो कार्यक्रम थे। एक आर्ट्स कॉलेज में भवन के उद्घाटन का तो दूसरा गेस्ट हाउस में व्याख्यानमाला का। सुबह राज्यपाल के आर्ट्स कॉलेज आने से पहले ही कर्मचारी संगठन अध्यक्ष नारायण सालवी कॉलेज पहुंचे तो उन्हें आर्टस कॉलेज के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के गलियारे में ही लगभग नजरबंद कर दिया गया। सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी आस पास ही तैनात हो गए ताकि राज्यपाल के आने पर गत दिनों आंदोलन करने वाले कर्मचारी आकर ज्ञापन नहीं दे सकें। राज्यपाल आए और दृष्य कला विभाग के नए भवन का फीता काट कर गेस्ट आउस के लिए रवाना होगए। यहां से पूरा लवाजमा गेस्ट हाउस के लिए रवाना हो गया। इसके बार सालवी के साथ ही वीसी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाने वाली कर्मचारी बेबी गमेती और किरण तंवर भी गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। तीनों जैसे ही गेस्ट हाउस पहुंचे, उन्हें गेट पर ही रोक दिया गया व ज्ञापन देने से इनकार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वे ज्ञापन देकर ही जाएंगे और अपने ही विश्वविद्यालय में उन्हें इस तरह से रोका नहीं जा सकता। इसके बाद उन्हें किनारे किया गया तो दोपहर 12 से 4 बजे तक तीनों ने राज्यपाल महोदय के गेस्ट हाउस से बाहर आने का इंतजार किया। तब तक पुलिस बंदोबस्त और सुविवि प्रशासन की ओर से तीनों पर नजर रखी गई कि कहीं ज्ञापन देने अंदर नहीं चले जाएं। लगभग घेराबंदी जैसी नौबत आ गई। शाम को 4 बजे बाद जैसे ही राज्यपाल महोदय बाहर आए व अपनी कार में बैठने लगे, तीनों प्रशासन के घेरे को पार करते हुए ज्ञापन लेकर राज्यपाल के पास पहुंच गए। राज्यपाल ने तीनों को बुलाया व अपनी व्यथा सुनाने को कहा। तभी दोनों महिलाओं को देख कर बुलाया व ज्ञापन अपने हाथ में लेते ही पूछा कि क्या मामला है आपका। इस पर सालवी ने कहा कि एसएफएबी कर्मचारियों के साथ लगातार अन्याय किया जा रहा है। हमें वेतन के लिए तरसाया जा रहा है। इसके अलावा किरण तंवर और बेबी गमेती को लंबे समय से तानाशाही करते हुए तनख्वाह नहीं दी जा रही है। इनके साथ वीसी बंगले पर मारपीट हुई है। इस पर गवर्नर साहब ने ज्ञापन पढते हुए तुंरत वीसी की ओर देखा व कहा-मिश्रा!!! इधर आओ!!!! तभी पीड़िता किरण तंवर ने बोला - माननीय राज्यपाल, मैं वीवी के बंगले पर चार-पांच महीन से काम कर रही हूं, तनख्वाह नहीं मिली वर्क ऑर्डर जारी नहीं हुआ, प्रताड़ित किया। कुलपति ने तुरंत कहा कि इसका पांव टूटा हुआ है, पांच महीन से काम पर नहीं आई। किरण ने कहा कि मुझे काम करते हुए 17 साल हो गए हैं।, वीसी ने कहा कि नहीं, केवल 9 साल हुए हैं। इसके बाद वीसी बोलीं, सर, यह एसएफएबी की महिला है, नए एम्पेनल करने वाले हैं, उसमें इसका कर देंगे। तभी, ज्ञापन देने आई बेबी गमेती ने राज्यपाल से कहा कि मुझे मैडम ने नाखून लगाए, मारा,,,,,, इस पर गवर्नर साहब थोड़ा सा नाराज हुए व व कहा कि-ठीक है, मैं मामला दिखवाता हूं। इसक बाद वे ज्ञापन लेकर प्रस्थान कर गए। इस बीच कुलपति बार-बार कहती रहीं कि नहीं-नहीं यह झूठ बोल रही है, मेंने नाखून नहीं लगाएं। इस मौके पर एमपीयूएआई के कुलपति प्रोफेसर अजित कुमार कर्नाटक, विद्यापीठ के कुलपति प्रोफेसर एसएस सारंगदेवोत, वीएमओयू के कुलपति प्रो कैलाश सोडानी, नीलिमा सुखाड़िया सहित वरिष्ठजन व विभिन्न वरिष्ठ प्रोफेसर्स व पदाधिकारी मौजूद थे।

घटनाक्रम के पूरी विश्वविद्यालय में खूब चर्चे

ज्ञापन देने के इस घटनाक्रम के शाम को पूरे विश्वविद्यालय में खूब चर्चे रहे। कर्मचारियों ने जहां इसे अपनी जीत बताया व कहा कि अब उन्हें कुलाधिपति से न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है तो दोनों महिला कर्मचारियों का कहना था कि आखिर झूठ अब बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने वीसी के बंगले पर सेवाएं दीं। इस मामले को दबाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। यहां तक कि पुलिस भी परिवाद पर कार्रवाई नहीं कर रही। इसम मामले में विश्वविद्यालय में एसएफएबी का काला सच सामने आ गया है जिसमें भर्ती तो छात्रों के फीस से पैसों से कॉलेज को चलाने के लिए होती है लेकिन काम वीसी बंगले पर लिया जाता हैं। अब यदि सुविवि स्तर पर कमेटी बनें व निष्पक्ष जांच हों तो इसकी आंच कई और अन्य प्रोफेसरों व कर्मचारियों तक भी पहुंच सकती है।

पांच सूत्री मांगे इस प्रकार हैः-

01.विश्वविद्यालय में कार्यरत स्ववित्त पोषित सलाहकार मंडल के तहत कार्यरत विभिन्न संविदा/एस.एफ.एस. कर्मियो के राज्य सरकार से प्राप्त स्वीकृति पत्र के क्रम में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के माह 01 जुलाई, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक के आदेश अविलम्ब जारी करावें।

02.विश्वविद्यालय में कार्यरत संविदा/एस.एफ.एस. कर्मियो का मानदेय विगत दो वर्षों से नहीं बढ़ाया गया है, अतः मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि की जावें।

03.विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला संविदा/एस.एफ.एस. कर्मियो को मातृत्व अवकाश स्वीकृति के आदेश जारी किये जाये, जैसा कि पूर्व में भी जारी होते रहे है।

04.विश्वविद्यालय में कार्यरत श्रीमती किरण कंवर को पिछले 3 महिने से भी किसी भी प्रकार का कार्यदेश जारी नहीं किया गया है। उसे भी पुनः स्ववित्त पोषित सलाहकार मंडल के तहत कार्यादेश जारी करावें।

05.दिवंगत श्री प्रकाश नागदा पिछले 20 वर्षों से विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे थे। मानसिक तनाव के चलते उनका देहान्त कार्यस्थल पर ही हुआ। अतः उनको उचित मुआवजा एवं उनकी पत्नि या पुत्र को स्ववित्त पोषित सलाहकार बोर्ड के तहत कार्यादेश जारी करावें ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके।

इसके साथ ही 21 जुलाई 2025 को संविदा/एस.एफ.एस. महिला कर्मचारी श्रीमती किरण कंवर के साथ हुए अभद्र व्यवहार और श्रीमती बेबी गमेती के साथ हुए जातिगत गाली गलौज और मारपीट के विरोध में प्रतापनगर थाना में परिवाद पेश किया गया जिसकी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई हैए जो यह बताता है कि पुलिस प्रशासन किसी के दबाव में है।

पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की जयंती पर कांग्रेस का प्रदर्शन, प्रतिमा पुनः स्थापना की मांग उठाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में गुरुवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और आधुनिक राजस्थान के निर्माता कहे जाने वाले मोहनलाल सुखाड़िया की जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्री पर जोरदार प्रदर्शन किया व सुखाड़ियाजी की प्रतिमा को अब तक नई बनाकर पुनः स्थापित नहीं करने पर गहरा आक्रोष जतायां आपको बता दें कि अप्रैल में तेज बारिश और अंधड़ के दौरान सुखाड़िया सर्कल पार्क में स्थित पेड़ गिरने से मोहनलाल सुखाड़िया की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद प्रतिमा को हटा दिया गया, लेकिन तीन महीने बीत जाने के बावजूद उसे उसी स्थान पर दोबारा नहीं लगाया गया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आमजन में भी गहरी नाराजगी है। इस मौके पर उदयपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और सरकारी तंत्र की निष्क्रियता को लेकर नारेबाजी की। राठौड़ ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि "राज्य की नींव रखने वाले एक पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिमा का पुनः स्थापना कार्य अब तक नहीं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक है।" प्रदर्शन में कांग्रेस नेता पंकज कुमार शर्मा, अजय राव समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि मोहनलाल सुखाड़िया की प्रतिमा को शीघ्र ही उसी स्थान पर पुनः स्थापित किया जाए, ताकि आमजन की भावनाओं का सम्मान हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी मांग रखी कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही को रोकने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की जवाबदेही तय की जाए।

श्रावण मास की तैयारियां पूर्ण श्री ढाबेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। नगर के प्राचीन मंदिर श्री ढाबेश्वर महादेव मंदिर पर श्रावण मास की तैयारियां पुन कर ली गई है दशहरा मैदान स्थित श्री ढाबेश्वर महादेव मंदिर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री ढाबेश्वर महादेव की 4 अगस्त को भव्य शाही सवारी हाथी पर विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलने वाली है जिसमें दूर दराज से भक्तगण आकर बाबा के दर्शन करते है सवारी का मार्ग श्री ढाबेश्वर महादेव मंदिर से कसोद दरवाजा ,आजाद चौक ,पीपल चौक , साजन लस्सी से सब्जी मंडी चोराया,मोती गेट ,गणेश मंदिर ,होली थड़ा,जेल के सामने होकर नया बाजार , चित्तौड़ी दरवाजा , दशोरा चौक,डाक बगला रोड, पंचोली चौक,चंदन चौक , परशुराम सर्कल ,शिवाजी चोक,श्री राम कॉलोनी,नीमच रोड होते हुए पुनः श्री ढाबेश्वर महादेव मंदिर आयेगी । जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं भक्तगण शामिल होगे विशेष आकर्षण हाथी पर भगवान श्री महाकाल स्वरूप में , भूतों की बारात, ढोल , ढोल तासो के साथ महाकाल की भव्य शाही सवारी निकलेगी

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज शिविर में पहलवानों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज प्रशिक्षण शिविर 2025 के अंतर्गत श्री चतुर्भुज हनुमान राष्ट्रीय व्यायामशाला, हरिदास जी की मगरी, उदयपुर के कई पहलवानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस शिविर में उदयपुर के पहलवान पलक सोनी, माही ओड, नंदिनी जोशी, विशाल ओड, राजीव ओड, माधवी चौहान, अजय ओड, विशाल सोलंकी, जतिन पंडित तथा भव्या चौहान को 'बेस्ट प्लेयर' के रूप में चयनित किया गया। क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र, उदयपुर के खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कुश्ती प्रशिक्षण शिविर में चयनित प्रतिभागियों को टी-शर्ट और प्रणाम पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में कुश्ती के उन्नत प्रशिक्षण हेतु विभाग के एन.एस.एन.आई.एस. कुश्ती प्रशिक्षक श्री हेमंत अठवाल एवं श्री केशु लाल भील द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को कुश्ती की आधुनिक तकनीकों, स्पीड ट्रेनिंग, एजिलिटी, बैलेंस, को-ऑर्डिनेशन और पावर के साथ-साथ नवीनतम अंतरराष्ट्रीय नियमों की भी जानकारी दी गई।

हिन्दुस्तान जिंक़ और एआईएफएफ द्वारा जावर में उत्तर भारत की पहली टेक्नॉलोजी आधारित गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी की शुरूआत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। समानता, सशक्तिकरण और भारत में फुटबॉल क्रांति लाने के एक नए युग की शुरुआत करते हुए, वेदांता समूह की कंपनी हिन्दुस्तान जिंक़ और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ एआईएफएफ ने उत्तर भारत की पहली टेक्नॉलोजी आधारित जिंक़ फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी की शुरूआत की। यह अकादमी हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर कार्यक्रम के तहत् बुनियादी स्तर पर फुटबॉल क्रांति की पहल है। एआईएफएफ इस गर्ल्स अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा।

जिंक़ फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी के शुभारंभ अवसर पर भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी, एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, निवृति कुमारी मेवाड़, सलूबंर जिला कलेक्टर अवधेश मीणा, हिन्दुस्तान जिंक़ मजदूर संघ फैडरेशन के अध्यक्ष यूएम शंकरदास, मजदूर संघ महामंत्री लालूराम मीणा, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत, हिन्दुस्तान जिंक़ के सीओओ किशोर कुमार एस, सीएचआरओ मुनिश वासुदेवा, चीफ कॉमर्शियल सी सतीश, वेदांता की सीएसआर हेड अनुपम निधि, जावर माइंस आईबीयू सीईओ अंशुल खंडेलवाल की उपस्थिति में हुआ। जिंक़ फुटबॉल एकेडमी अनोखी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जो कि जावर, उदयपुर में विश्वस्तरीय सुविधाओं और देश की पहली टेक्नोलॉजी आधारित फुटबॉल ट्रेनिंग एवं अद्वितीय एफ-क्यूब तकनीक के साथ पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी है। इस पहल का लक्ष्य भारतीय फुटबॉल के विकास में योगदान करना है, जबकि दुनिया के सबसे प्रिय खेल की शक्ति का लाभ उठाकर विशेषकर महिलाओं, बच्चों और लोगों का सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करना है। जिंक फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी के तहत् अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ पार्टनरशीप की है, जिसमें एआईएफएफ गर्ल्स आवासीय अकादमी के लिए रणनीतिक और तकनीकी भागीदार होगा। पार्टनरशीप के तहत, एआईएफएफ परिचालन दिशानिर्देश और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेगा, कोच और स्काउट्स की क्षमता निर्माण में सहायता करेगा और ज्ञान साझा करने में भी संलग्न होगा। इस अवसर हिन्दुस्तान जिंक़ लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि बालिकाओं के लिए एक प्रमुख आवासीय फुटबॉल अकादमी से हिन्दुस्तान जिंक़ की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता स्पष्ट है। हमारा उद्धेश्य समग्र विकास के अवसर दने की ओर है, जिससे युवा लड़कियों को कल के लिए आत्मविश्वासी और आगे बढने में सक्षम बनाया जा सके। इस अकादमी का उद्धेश्य केवल फुटबॉल प्रतिभा को विकसित करना ही नहीं है यह आने वाले कल के आत्मविश्वासी, मजबूत युवाओ को अवसर और आकार देना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष, कल्याण चौबे ने कहा कि हमें हिन्दुस्तान जिंक़ के साथ जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी की शुरूआत करने पर हर्ष है। मुझे लगता है कि यह न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे देश में फुटबॉल को विकसित करने में मदद करेगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हो रही है जब एआईएफएफ के सीआरएस पोर्टल पर महिला खिलाडिय़ों के पंजीकरण में 232 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है और सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले एएफसी महिला एशियाई कप-2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। एआईएफएफ इस एकेडमी की सफलता के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर गौरवान्वित है। शुरुआती बैच में राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों की 20 बालिका शामिल हैं। अगले 12-18 महीनों में अकादमी की इनकी संख्या बढ़ाकर 60 करने की भी योजना है। अकादमी, पूरी तरह से सुसज्जित आवासीय छात्रावास है, जिसमें 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की 20 बेहद प्रतिभाशाली युवा लड़कियों से अपने पहले बैच की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम इन बच्चों को पेशेवर फुटबॉलर बनने के लिए सभी अवसर और सही मार्गदर्शन प्रदान करेगा, साथ ही उनकी औपचारिक शिक्षा का भी ध्यान रखेगा। जिंक फुटबॉल अकादमी 3 फीफा क्वालिटी टर्फ और प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए 7वी7 आकार के प्राकृतिक घास के मैदान से भी सुसज्जित है, जिसमें टीम डगआउट भी हैं। इसके अतिरिक्त, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और क्रिकेट जैसे मनोरंजक खेलों के लिए एक मल्टी-स्पोर्ट ग्राउंड भी है। इस पहल ने कोचिंग की गुणवत्ता पर व्यापक जोर दिया है और बच्चों के लिए फुटबॉल प्रशिक्षण के हर पहलू का ध्यान रखने के लिए उच्च योग्य और लाइसेंस प्राप्त कोच टीम को नियुक्त किया है। जिंक फुटबॉल अकादमी और जिंक फुटबॉल स्कूल्स में, एफ-क्यूब ट्रेनिंग एंड असेसमेंट टेक्नोलॉजी के माध्यम से खिलाडिय़ों का लगातार मूल्यांकन, निगरानी और विश्लेषण किया जाता है। यह एक सुव्यवस्थित खिलाड़ी डेटा ट्रैकिंग प्रणाली है जो हमारे योग्य कर्मचारियों को बच्चों के सही विकास के लिए उचित कदम उठाने में मदद करती है। एफ-क्यूब फुटबॉल और फिटनेस प्रशिक्षण, कौशल मूल्यांकन, संज्ञानात्मक विकास और अभ्यास के लिए दुनिया का पहला बुद्धिमान और इंटरैक्टिव उपकरण है। यह कौशल, पोषण, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और मानसिक विकास जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों को भी ध्यान में रखता है। हिन्दुस्तान जिंक़ ने देश में जमीनी स्तर पर फुटबॉल विकसित करने के लिए भारत के प्रमुख फुटबॉल विकास संगठनों में से एक द फुटबॉल लिंक के साथ साझेदारी की है, जिसके पास बड़े पैमाने पर फुटबॉल पहल आयोजित करने की पेशेवर विशेषज्ञता है। 1976 में राजस्थान के जावर में हिन्दुस्तान जिंक़ द्वारा फुटबॉल स्टेडियम की स्थापना के लगभग चार दशकों से इस खेल से जुड़ा हुआ है और खिलाडिय़ों को बढ़ावा दे रहा है। पिछले 40 वर्षों से, जावर स्टेडियम में हर साल राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। कंपनी ने अतीत में कई एथलीट का भी समर्थन किया है जो कि अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में देश के लिए सम्मान लाने में सफल हुए हैं।

भगवान पारसनाथ निर्वाण दिवस मुकुट सप्तमी श्रद्धा के साथ मनाया

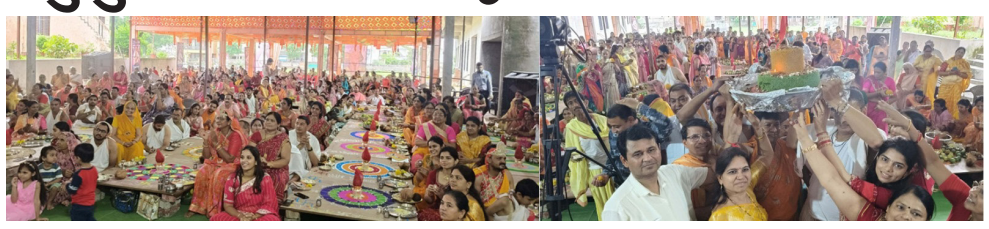

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के पुनर्वास कॉलोनी मे आर्यिका विकाम्याश्री माताजी ससंघ सानिध्य मे भगवान पारसनाथ निर्वाण दिवस मुकुट सप्तमी मनाते हुए 23 किलो का विशाल निर्वाण लाडू चढ़ाया। प्रतिष्ठाचार्य विनोद उर्फ विरल पगारीया ने बताया की जैन आगम की वर्तमान चौबीसी के 23 वे तीर्थंकर पारसनाथ भगवान का निर्वाण दिवस गुरुवार 31 जुलाई को प्रातः विमलनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर पुनर्वास कॉलानी मे स्थानीय सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा चातुर्मास आराधनारत श्रमणी आर्यिका विकाम्याश्री माताजी ससंघ के सानिध्य मे तथा प्रतिष्ठचार्य पंडित विनोद पगारिया विरल के तत्वावधान मे श्रद्धा व उमंग के साथ मनाया गया । इस अवसर पर गुरुवार को प्रातः मन्दिर के समीप सभागार मे नवानिर्मित भगवान पारसनाथ की मोक्ष स्थली तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की प्रतिकृति का अनावरण जय प्रकाश अमीचन्द गोवाडिया परिवार द्वारा किया गया इसके बाद इन्द्र इन्द्राणी समूह द्वारा पाण्डूक शिला मे विराजित पारसनाथ भगवान की प्रतिमा का विविध द्रव्य पूरित कलशों से अभिषेक किया गया तथा आर्यिका विकाम्याश्री माताजी के मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा पर विश्व शांति कामनार्थ शांतिधारा सौधर्म इन्द्र दर्पण जीतमल दोसी परिवार द्वारा की गयी साथ ही समाधिस्थ आचार्य विमल सागरजी महाराज की प्रतिमा पर शांतिधारा सुमति लाल सरिया परिवार द्वारा की गयी इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य विनोद पगारिया द्वारा मुख्य विधान मंडप सहित कुल 44 कल्याण मन्दिर पारसनाथ विधान मण्डप पर मण्डप प्रतिष्ठा , दिक बन्धन , दिग्पाल स्थापना दीप स्थापना तथा पंच मंगल कलश स्थापना विधि करायी गयी। इस अवसर पर कल्याण मन्दिर विधान मण्डप पर आचार्य कुमुदचन्द्र सूरि रचित कल्याण मंदिर स्त्रोत के 44 श्लोकों का उच्चारण करते हुए प्रत्येक विधान मंडप पर इन्द्र इन्द्राणी समूह द्वारा अष्ट द्रव्य युक्त अर्घ समर्पित किये गये। पारसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक अवसर पर निर्वाण का प्रतीक 23 किलों का विशाल निर्वाण लाडू मंच पर नवनिर्मित सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र की प्रतिकृति पर स्थित सुवर्ण भद्र टूक पर निर्वाण काण्ड पाठ उच्चारण के साथ रुशाली यमन नीरज संघवी सागवाड़ा परिवार द्वारा भक्ति के साथ चढाया साथ ही भगवान पारसनाथ के जीवन चरित्र पर आर्यिका विकाम्याश्री माताजी का प्रवचन हुआ। शांतिपाठ आरती विसर्जन विधि के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण कीट वितरण

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के पण्डित दिन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में गुरूवार को 27 से 31 जुलाई तक प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत् निक्षय पोषण कीट वितरण अभियान चलाया जा रहा है। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.उमेश परमार ने बताया की अभियान के तहत् चिकित्सालय के समस्त अधिकारी,कर्मचारी ने स्वैच्छा से निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजो को निक्षय पोषण कीट वितरण किया। अन्त में एसटीएस अशोक पुरवैया ने सभी निक्षय मित्रो का आभार प्रकट किया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।